Result Mitra Daily Magazine

हयात तहरीर अल–शाम एवं अन्य विद्रोही समूह

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में रविवार (8 दिसंबर) को सीरिया के दमिश्क में बशर–अल–असद शासन को उखाड़ फेंकने वाले सरकार विरोधी समूह "हयात तहरीर अल–शाम" (HTS) के लोगों ने सैयदनामा जेल पर हमला कर दिया।
- इस सैयदनामा जेल में 2011 में सीरियाई विद्रोह की शुरुआत के बाद से बंद राजनीतिक कैदी थे।
- एमनेस्टी इंटरनेशनल द्वारा इस जेल को वर्ष 2017 में "मानव वधशाला" के रूप में वर्णित किया गया था।

"सैयदनामा जेल" :

- सैयदनामा जेल जिसे सेडनाया के नाम से भी जाना जाता है, सीरिया की राजधानी दमिश्क से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में 1980 के दशक में स्थापित की गई थी।
- इस जेल को दशकों तक सीरियाई सैन्य बलों द्वारा प्रकाशित किया गया था, जहां वर्ष 1987 में पहला कैदी आया था।
- ह्यूमन स्लॉटर हाउस की वर्ष 2017 की रिपोर्ट के अनुसार इस जेल में "रेड बिल्डिंग" और "व्हाइट बिल्डिंग" के रूप में दो हिरासत केंद्र हैं, जिसकी क्षमता क्रमशः 10,000 और 20,000 लोगों की है।
- इस जेल में बंद अधिकांश कैदी वर्ष 2011 में सीरियाई गृह युद्ध के बाद गिरफ्तार किए गए राजनीतिक कैदी थे।
- एसोसिएशन ऑफ डिटैनीज एंड द मिसिंग ऑफ सेडनाया जेल की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के अनुसार इस जेल में बंद अधिकांश राजनीतिक कैदी बशर–अल–असद शासन के विरोधी थे।

सैयदनामा जेल को "मानव वध" क्यों कहा जाता था ?

- एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार सैयदनामा जेल में सितंबर 2011 से दिसंबर 2015 के बीच 5000 से 13000 लोगों को जघन्य तरीके से मार डाला गया।
- दिसंबर 2015 के बाद हजारों लोगों को फांसी की सजा दिए जाने की संभावना है।

- ब्रिटेन स्थित संगठन सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के रिपोर्ट्स के अनुसार सैयदनामा जेल में 30,000 से अधिक कैदी मारे जा चुके हैं।
- संयुक्त राष्ट्र की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार सैयदनामा जेल बहुत गंदी, हिंसक और कैदियों के लिए घातक थी, जिसके कारण कई कैदियों की असमय मौत हो गई।
- इसके अलावा इस रिपोर्ट में कहा गया कि कैदियों के साथ गंभीर पिटाई, यातना, बीमारी, भुखमरी और निर्जलीकरण के कारण कई कैदियों की मौत हो गई।

हयात तहरीर अल–शाम (HTS) :

- "हयात तहरीर अल–शाम" जिसकी स्थापना वर्ष 2011 में सीरिया में अल–कायदा की शाखा "जबात अल–नुसरा" के रूप में की गई थी, का नेतृत्व "अबू मोहम्मद अल–जोलानी कर रहे हैं।
- वर्ष 2016 में इस संगठन से अलग होकर "जामात फतेह अल शाम" का गठन किया गया, जो जॉर्डन, सीरिया, लेबनान, इजराइल, सहित भूमध्य सागर के पास स्थित मध्य–पूर्व का क्षेत्र और फिलिस्तीन में इस्लामी शासन की स्थापना के लिए था।
- काउंसिल फॉर स्ट्रैटेजिक एंड डिफेंस रिसर्च के अनुसार वर्ष 2017 में कई अन्य समूहों के साथ जामात फतेह अल–शाम के विलय के बाद यह संगठन हयात तहरीर अल–शाम (HTS) बन गया।
- वर्ष 2017 तक इस संगठन ने उत्तर–पश्चिम सीरिया के अधिकांश हिस्से में नियंत्रण हासिल कर एक "मुक्ति सरकार" भी स्थापित किया।
- वर्ष 2020 में उत्तर–पश्चिमी सीरिया में रूस और तुर्की की मध्यस्थता के कारण संघर्ष विराम के बाद इस क्षेत्र में शांति बहाली हो गई।
- यह संघर्ष विराम "हयात तहरीर अल–शाम" को बेहतर प्रशिक्षण और हथियारों के साथ अपनी सेनाओं को पुनर्गठित करने का अवसर दिया।
- धीरे-धीरे इस संगठन में अन्य विद्रोही संगठन के विलय के साथ यह समूह उत्तर–पश्चिमी सीरिया में और अधिक ताकत के साथ उभर के सामने आया, जो जिहादी विचारधारा से प्रेरित था।

सीरियाई गृह युद्ध :

- सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत वर्ष 2010 के अरब स्प्रिंग (अरब जगत के विस्तृत विद्रोह) के आसपास हुई।
- सीरिया में इसकी शुरुआत 15 मार्च 2011 को सीरियाई बशर अल–असद सरकार और सरकार विरोधी सशस्त्र बलों के बीच संघर्ष से प्रारंभ हुआ, जो बाद में हिंसक विद्रोह के रूप में पूरे सीरिया में फैल गया।

- इस गृहयुद्ध को सत्तावादी सरकारों के खिलाफ विद्रोह कहा गया, हालांकि संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस जैसी विदेशी ताकतें भी अपने-अपने रणनीतिक हितों के आधार पर इस संघर्ष में शामिल रही।

अन्य विद्रोही समूह :

हिज्बुल्लाह

- हिज्बुल्लाह जिसका शाब्दिक अर्थ "भगवान की पार्टी" है।
- सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (CSIR) ने हिज्बुल्लाह को दुनिया का सबसे खतरनाक भारी हथियारों से लैस गैर राज्य के रूप में वर्णित किया है, जिसके पास तोपखाने, रॉकेटों के साथ-साथ बैलिस्टिक एंटीएयर, एंटीटैंक और एंटीशिप मिसाइलों का विशाल भंडार है।
- काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (CFR) के अनुसार हिज्बुल्लाह की उत्पत्ति लेबनानी गृह युद्ध (1975–1990) के दौरान हुई थी, जो लेबनान में सशस्त्र फिलिस्तीनी उपस्थिति पर लंबे समय से चल रहे असंतोष का परिणाम था।

हौथिस

- हौथिस विद्रोही समूह जैदी शिया संप्रदाय से संबंधित एक बड़ा सशस्त्र कबीला है, जिसकी जड़ें यमन के उत्तर–पश्चिमी सादा प्रांत में है।
- यमन की आबादी का लगभग 35% हिस्सा जैदी शिया संप्रदाय का है।
- "जैदी" ने यमन पर 1962 तक लगभग एक हजार वर्ष तक शासन किया।
- वर्ष 1962 के बाद यमन में चले गृह युद्ध के बाद वर्ष 1970 में जैदी साम्राज्य का अंत हो गया।
- वर्ष 1980 के दशक में "हौथी" नामक कबीले ने यमन में सलाफिस्टो के बढ़ते प्रभाव का विरोध करते हुए जैदी परंपरा को पुनर्जीवित करना शुरू किया।
- ऐसा माना जाता है कि शिया बहुल देश ईरान द्वारा हौथिस का समर्थन किया जाता रहा।
- हालांकि "हौथिस" का क्षेत्रीय प्रतिद्वंदी सुन्नी बहुल देश सऊदी अरब सहित अमेरिका और पश्चिमी देश इसका समर्थन करते हैं।

हमास

- हमास एक सुन्नी बाहुल्य इस्लामवादी आतंकवादी समूह है, जो वर्ष 2007 से गाजा क्षेत्र पर शासन कर रहा है।
- हमास को इजराइल, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम और अन्य पश्चिमी देशों के द्वारा आतंकवादी समूह के रूप में नामित किया है।

- हमास की स्थापना 1980 के दशक के अंत में वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी पर इजराइली कब्ज़े के विरुद्ध फिलिस्तीनी विद्रोही समूह के रूप में की गई थी।